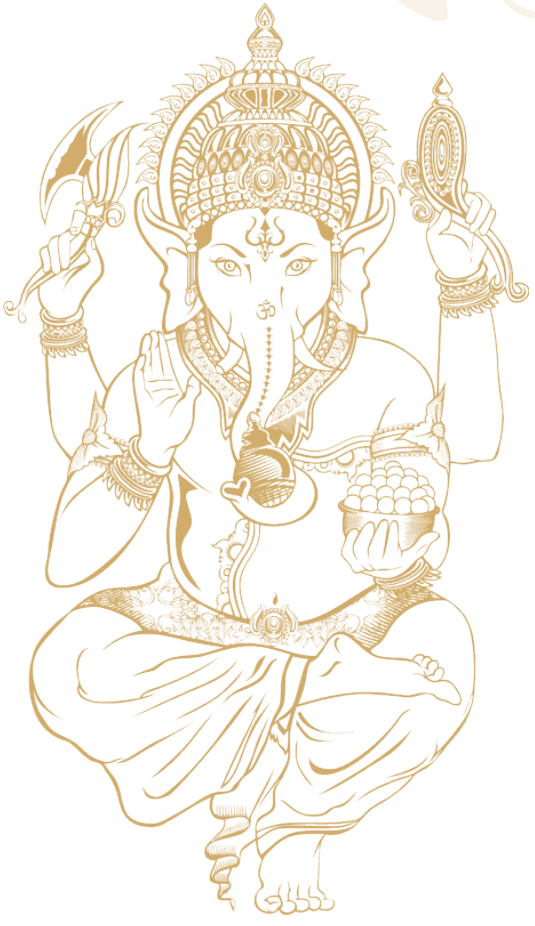

TANVI GUJRAL

05 Mar 2010

06:50 PM

Jalandhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120894605

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/03/2010**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:50:00 घंटे**
इष्ट	29:58:26 घटी
स्थान	**Jalandhar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:19:00 उत्तर
रेखांश	75:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:22:16 घंटे
वेलान्तर	-00:11:33 घंटे
साम्पातिक काल	05:14:59 घंटे
सूर्योदय	06:50:37 घंटे
सूर्यास्त	18:28:24 घंटे
दिनमान	11:37:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:51:09 कुम्भ
लग्न के अंश	26:18:08 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुष्टि
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:18:08	310:41:01	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
सूर्य			कुंभ	20:51:09	01:00:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	26:00:28	13:18:13	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
मंगल	व		कर्क	06:27:27	00:03:54	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध		अ	कुंभ	13:00:22	01:47:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	16:57:52	00:14:29	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मीन	03:32:46	01:14:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	08:32:53	00:04:22	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	25:25:02	00:04:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु	व		मिथु	25:25:02	00:04:14	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष			मीन	01:54:00	00:03:23	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	02:51:11	00:02:12	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:08:15	00:01:01	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			वृष	25:39:20	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:14

लग्न-चलित

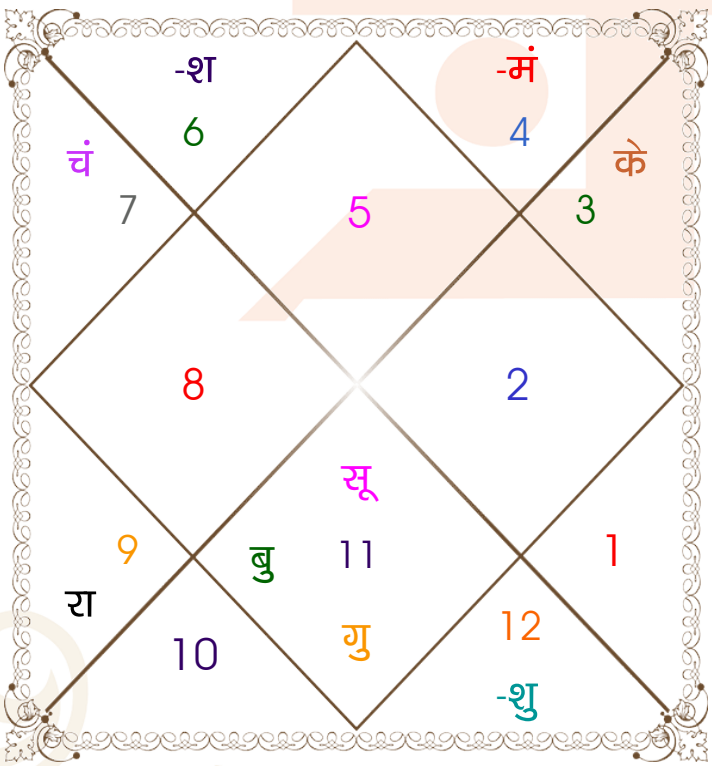

चन्द्र कुंडली

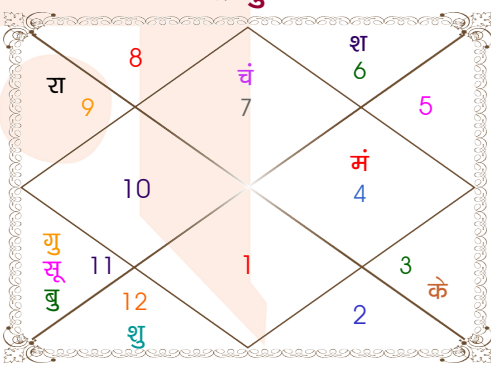

नवमांश कुंडली

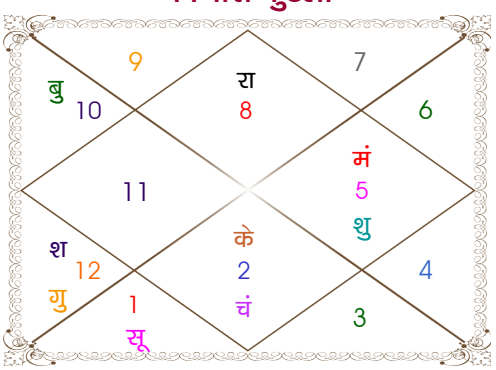

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 9 मास 14 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/03/2010		19/12/2018		19/12/2037		19/12/2054		19/12/2061	
19/12/2018		19/12/2037		19/12/2054		19/12/2061		19/12/2081	
	00/00/0000	शनि	22/12/2021	बुध	16/05/2040	केतु	17/05/2055	शुक्र	19/04/2065
	00/00/0000	बुध	31/08/2024	केतु	14/05/2041	शुक्र	16/07/2056	सूर्य	20/04/2066
	05/03/2010	केतु	10/10/2025	शुक्र	14/03/2044	सूर्य	21/11/2056	चंद्र	19/12/2067
केतु	31/10/2010	शुक्र	09/12/2028	सूर्य	18/01/2045	चंद्र	22/06/2057	मंगल	17/02/2069
शुक्र	01/07/2013	सूर्य	21/11/2029	चंद्र	19/06/2046	मंगल	18/11/2057	राहु	18/02/2072
सूर्य	20/04/2014	चंद्र	23/06/2031	मंगल	17/06/2047	राहु	07/12/2058	गुरु	19/10/2074
चंद्र	20/08/2015	मंगल	01/08/2032	राहु	03/01/2050	गुरु	13/11/2059	शनि	19/12/2077
मंगल	25/07/2016	राहु	07/06/2035	गुरु	10/04/2052	शनि	22/12/2060	बुध	19/10/2080
राहु	19/12/2018	गुरु	19/12/2037	शनि	19/12/2054	बुध	19/12/2061	केतु	19/12/2081

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/12/2081		19/12/2087		19/12/2097		20/12/2104		20/12/2122	
19/12/2087		19/12/2097		20/12/2104		20/12/2122		00/00/0000	
सूर्य	07/04/2082	चंद्र	19/10/2088	मंगल	17/05/2098	राहु	02/09/2107	गुरु	06/02/2125
चंद्र	07/10/2082	मंगल	20/05/2089	राहु	04/06/2099	गुरु	25/01/2110	शनि	21/08/2127
मंगल	12/02/2083	राहु	19/11/2090	गुरु	11/05/2100	शनि	01/12/2112	बुध	25/11/2129
राहु	07/01/2084	गुरु	20/03/2092	शनि	20/06/2101	बुध	21/06/2115	केतु	06/03/2130
गुरु	25/10/2084	शनि	19/10/2093	बुध	17/06/2102	केतु	08/07/2116		00/00/0000
शनि	07/10/2085	बुध	20/03/2095	केतु	14/11/2102	शुक्र	09/07/2119		00/00/0000
बुध	13/08/2086	केतु	19/10/2095	शुक्र	14/01/2104	सूर्य	02/06/2120		00/00/0000
केतु	19/12/2086	शुक्र	19/06/2097	सूर्य	20/05/2104	चंद्र	02/12/2121		00/00/0000
शुक्र	19/12/2087	सूर्य	19/12/2097	चंद्र	20/12/2104	मंगल	20/12/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 10 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगी। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी की निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी स्त्री का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगी। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकते है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी हैं।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण वस्तुओं का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान है। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकती हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगी। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करती रहीं तो बाद में पश्चाताप करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास सुन्दर पति, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगी।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।